ToB बालमंच

मासिक दिसम्बर- 2022 नन्हीं कलम से ..... ✍

क्रिसमस विशेषांक

इस अंक में पढ़ें

क्यों धँसी जोशीमठ में जमीन ?

क्रिएटिव डिजाइनर सह सम्पादक :- त्रिपुरारि राय
म. वि. रौटी, महिषी (सहरसा)

अंक- 24

प्रधान संपादिका :- रूबी कुमारी
उ. म. वि. सरौनी, बौंसी (बाँका)

प्रधान संपादिका के कलम से.....

प्यारे बच्चों ,

बाल कलाकारों के उत्कृष्ट क्रियाकलापों, रचनाओं, गतिविधियों को समर्पित "ToB बालमंच" का बाल दिवस विशेषांक प्रकाशित करते हुए हमें अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है।

यह अंक हमारे लिए बेहद खास है क्योंकि यह बाल दिवस विशेषांक है ,जो हमारे नन्हे मुन्ने बच्चों को हीं डेडिकेट करती है। आप हमारे लिए बेहद खास है और हमें पता है कि आपके अंदर छुपे विशिष्ट प्रतिभा अतुलनीय हैं।आपकी प्रतिभा दबी ना रह जाये, सब के सामने आए और उसे एक नई पहचान मिल सके, यही तो बालमंच पत्रिका का मुख्य उद्देश्य है। आपके सहयोग इस बालमंच पत्रिका को नियमित प्रकाशित करने के लिए अति आवश्यक हैं। प्रत्येक माह विशेषांक के लिए थीम निर्धारित कर दी जाएगी और उसी से संबंधित, कला के विधाओं का उपयोग करते हुए अपनी कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन आपको करना है और मुझे उम्मीद है की आप हमारी अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे।

यह अंक आपको कैसा लगा? आपके मन की बातों को आप ईमेल या व्हाट्सएप के माध्यम से अवश्य भेजें। हम इसे भी बालमन नामक स्थाई स्तंभ के रूप में प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे ।

हमारे नन्हे-मुन्ने बच्चों तथा बालमंच की उज्जवल भविष्य की कामना के साथ.....

रूबी कुमारी

प्रधान संपादिका. ToB बालमंच

सम्पादकीय

नमस्कार बालमित्रों,

ईसा मसीह ने एक बार एक गड़ेरिये को देखा कि उसने अपने कंधे पर एक छोटे से भेड़ को लिए जा रहा है. उसने उस भेड़ को अपने कंधे से बहुत प्यार से उतारा. उसे स्नान कराया. उसके बालों को सुखाया. फिर उसने उस भेड़ को खाने के लिए हरी और मुलायम घास दी. जब भेड़ उस घास को खा रही थी, तब उस गड़ेरिये की ख़ुशी देखते ही बनती थी.

उस समय ईसा उसी गड़ेरिये के निकट आराम कर रहे थे. गड़ेरिये को इतना प्रसन्न देख उन्होंने उससे पूछा – " तुम इतना प्रसन्नचित्त क्यों हो रहे हो?"
गड़ेरिये ने कहा – "प्रभु! यह भेड़ जंगल में प्रायः हमेशा भटक जाती है. मेरे पास सौ भेड़ें है, वे सभी शाम को अपने घर वापस आ जाती हैं. इसीलिये मैं इसे विशेष स्नेह और प्यार देता हूँ कि यह फिर कहीं न भटके."
यह सुनकर ईसा ने अपने शिष्यों से कहा – "सुनो, अपने भटके हुये भाइयों के साथ हमें भी उसी तरह का व्यवहार करना चाहिए जैसा कि यह गड़ेरिया अपने इस भेड़ के साथ करता है."
जो लोग अपने मार्ग से भटक गए हैं उनको विशेष स्नेह और प्रेम द्वारा ही वापस रास्ते पर लाया जा सकता है.

आशा है ये अंक आपमें नई ऊर्जा का संचार करेगा |

ढेर सारी शुभकामनाएँ सहित.....

त्रिपुरारि राय
सम्पादक, 'ToB बालमंच',
सहायक शिक्षक, मध्य विद्यालय रौटी, महिषी (सहरसा)

सम्पादक मंडल

प्रधान संपादिका	:-	रूबी कुमारी, उ. म. वि. सरौनी, बौंसी (बाँका)
सम्पादक / ग्राफिक्स डिजाइनर	:-	त्रिपुरारि राय, म. वि. रौटी, महिषी (सहरसा)
सह-संपादिका	:-	ज्योति कुमारी, म.वि. भनरा, (बाँका)
प्रूफ रीडर	:-	विकास कुमार, म.वि.महिसरहो,महिषी (सहरसा)
सहयोगकर्ता	:-	1. मृत्युंजयम् , म.वि.नवाबगंज, समेली, (कटिहार) 2. रंजेश कुमार, प्रा. वि. छुरछुरिया, फारबिसगंज,(अररिया) 3. निधि चौधरी, नया प्रा.वि. सुहागी (किशनगंज)
संरक्षक	:-	1. शिव कुमार, संस्थापक- टीचर्स ऑफ़ बिहार 2. ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन, ToB तकनीकी टीम लीडर

-: स्थाई स्तंभ :-

1.	प्रधान सम्पादक की कलम से	14.	विद्यालयी क्रियाकलाप
2.	सम्पादकीय	15.	क्या आप जानते हैं ?
3.	आवरण कथा	16.	अंग्रेजी सीखें
4.	कविता	17.	ड्राइंग / पेंटिंग
5.	कहानी	18.	उभरते सितारे
6.	हँसो रे बाबू	19.	फोटो ऑफ़ द मंथ
7.	बूझो तो जानें	20.	हिंदी ज्ञान
8.	वैज्ञानिक कारण	21.	प्रमुख दिवसें
9.	कहानी बनाओ प्रतियोगिता	22.	प्रेरक प्रसंग
10.	अखबारों की नजर में हम	23.	रोचक तथ्य
11.	उभरते सितारे	24.	खेल-खेल में योग
12.	तकनीकी कोना	25.	तुम भी बनाओ.....
13.	बालमन	26.	आपकी बात आपकी जुबानी

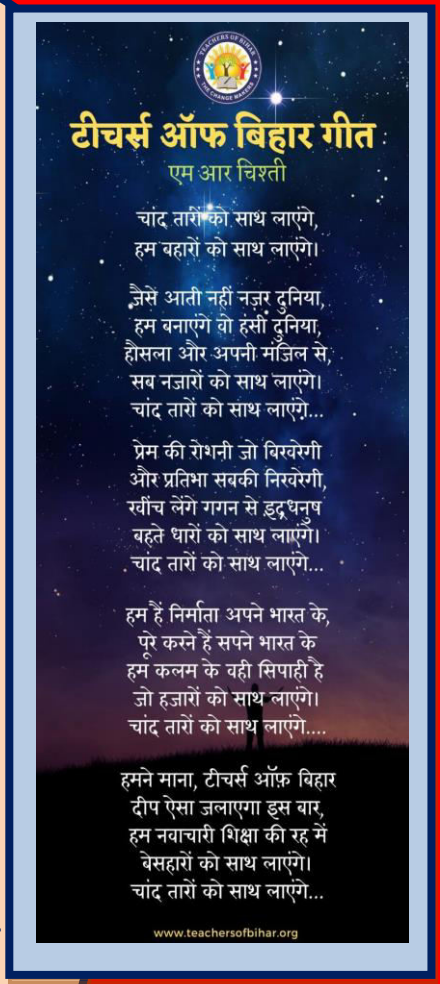

प्रेरक प्रसंग

एक दिन एक वेश्या ने ईशु मसीह को अपने घर आने का निमंत्रण दिया जिसे उन्होंने शीघ्र ही स्वीकार कर लिया. वेश्या के निमंत्रण को स्वीकार करने की बात चारों और फ़ैल गयी और लोगों में इसकी चर्चा होने लगी. उनका एक शिष्य सिमोन उनके पास आया और अपने मन की बात उनसे कह दी – "उद्धार करने के लिए क्या सज्जन कम पड़ गए थे जो आप बदनाम लोगों के यहाँ जाने की सोच रहे हैं. इससे आपका नाम बदनाम हो रहा है."

ईसा ने उस शिष्य से पूछा – " यदि तुम डॉक्टर होते तो एक जुकाम वाले या दर्द से तड़प रहे व्यक्तियों में से पहले किसके पास जाते?"
सिमोन ने कहा – " प्रभु! पहले दर्द से तड़पने वाले रोगी के यहाँ जाता."
इसपर ईसा ने कहा – " उसी तरह से मैं कम अपराधी से पहले अधिक पापी को सुधारने को प्राथमिकता देता हूँ, तो इसमें भूल क्या है और बदनामी कैसी?"

विकास कुमार,
म.वि.महिसरहो, महिषी
(सहरसा)

शुभकामना संदेश

देश के भविष्य को स्वर्णिम बनाने हेतु वर्तमान के नन्हे-मुन्ने बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कारित करना आवश्यक है। अच्छे संस्कार के बिना शिक्षा चाहे वह कितनी ही उच्च कोटि की क्यों ना हो अच्छे परिवार, अच्छे समाज और अंततः अच्छे राष्ट्र को समृद्ध नहीं कर सकता |

बालमंच ऑनलाइन पत्रिका इस दिशा में बच्चों के मूल रचनाओं एवं विचारों को एक ऐसा मंच प्रदान कर रहा है जो उनके सृजनशीलता एवं कल्पना को साकार रूप देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण हेतु एक सराहनीय प्रयास है। इस पत्रिका के गुणवत्ता को प्रदर्शित करने के लिए हमारे प्रशंसा के सारे शब्द छोटे पड़ रहे हैं।

मैं अपनी ओर से TOB बालमंच के सृजनकर्ता एवं प्रधान संपादक श्रीमती रूबी कुमारी एवं संपादक त्रिपुरारी राय तथा प्रकाशक टीचर ऑफ बिहार को अशेष शुभकामनाएं देते हुए इसके सफल प्रशासन की कामना करता हूं ।

धन्यवाद सहित ।

चन्दन श्रीवास्तव,
Assistant Professor in the Dept. of Teacher Education,
Central University of South Bihar, Gaya

FLN गतिविधि लिंक On TOB

1. https://fb.watch/hVdfHvm4GV/
2. https://fb.watch/hVe2fcynHN/
3. https://www.facebook.com/100005220240804/videos/1336304440480929/
4. https://www.facebook.com/100005220240804/videos/4991501456976 39/

बालमंच सामान्य ज्ञान

Q. भारत में पहली सूती वस्त्र मिल कहाँ स्थापित की गई? Ans. मुंबई

Q. भारत में अंग्रेजों की लूट किस महत्वपूर्ण घटना के बादशुरू हुई?
Ans. प्लासी के युद्ध के बाद

Q. भारत में प्रथम रेलवे लाइन किसने बिछवाई? Ans. जार्ज क्लार्क

Q. भारत में ब्रिटिश भू-राजस्व प्रणाली का अधिक लाभ किसे प्राप्त हुआ? Ans. जमींदार

Q. किसके द्वारा बंगाल व बिहार में स्थाई बंदोबस्त का शुभारम्भ किया गया?
Ans. लॉर्ड कॉर्नवालिस

Q. रैयतवाडत्री व्यवस्था कब लागू की गई?
Ans. 1820 ई.

Q. पहली बार औपचारिक रूप से महालवाड़ी प्रथा कब लागू की गई?
Ans. 1822 ई.

Q. अंग्रेजी शासन में कौन-सा क्षेत्र अफीम उत्पादन के लिएप्रसिद्ध था? Ans. बिहार

Q. 18वीं सदी में बंगाल में वस्त्र उद्योग के पतन का क्या कारण था?
Ans. ब्रिटेन को निर्यात करने वाले माल पर उच्च तटकर

Q. नील कृषकों की दुर्दशा पर लिखी गई पुस्तक 'नील दर्पण' के लेखक कौन थे?
Ans. दीनबंधु मित्र

Q. अंग्रेजों द्वारा प्रथम कहवा बागान कहाँ लगाए गए? Ans. वायनाडा जनपद में

Q. भारत में अंग्रेजों के समय प्रथम जनगणना किसके कार्यकाल में हुई? Ans. लॉर्ड मेयो के

Q. सर टॉमस मुनरो किस भूराजस्व बंदोबस्त से संबंधित हैं? Ans. रैयतवाड़ी बंदोबस्त

अमीर रज़ा,
प्राथमिक विद्यालय सुहागी

कहानी बनाओ

दिए गए चित्र को देखें और उसपर एक सुन्दर सा कहानी लिख कर हमें भेजें| उत्कृष्ट कहानी को टीचर्स ऑफ़ बिहार के तरफ से पुरष्कृत किया जाएगा | कहानी के साथ अपना पूरा पता और फोन नम्बर अवश्य दें |

बूझो तो जानें..

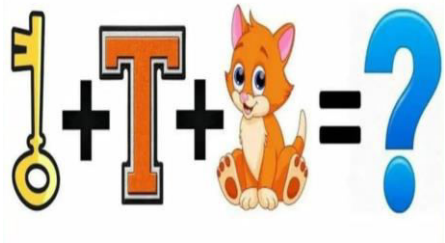

हंसो रे बाबू

मम्मी : उठो सूरज निकल आया है.

.

.

बेटा : तो क्या हुआ, वह हमसे पहले सोता भी तो है.....!!!!!!!!!!

Soni Kumari, Class- 3, U.M.S.

क्या आप जानते हैं ?

अंग्रेजी सीखें

1. Beleaguered- परेशान
2. Reiterates- बार बार दुहराना
3. Spewing- जल्दी से निकलना
4. Alacrity- तत्परता,Readiness
5. Avowed- स्वीकृत
6. Dilatory- विलम्बकारी
7. Tactic- कार्यनीति
8. Sacrilege- तोड़ना-मरोड़ना
9. Scuttling- बिगाड़ना, बरबाद करना
10. Blatant- ज़बरदस्त
11. Endorsement- पुष्टि, सबूत
12. Inclement- कठोर
13. Gusty-windy
14. Hailstorm- ओला-वृष्टि
15. Stride- प्रगति
16. Incentives- प्रोत्साहन
17. Sustainable - धारणीय, कायम रहने वाला
18. Whistle-blower - मुखबिर
19. Deplorable- दु:खद, शोचनीय
20. Demolition- तोड़फोड़
21. Intervene- हस्तक्षेप करना,interfere with
22. Eavesdropping- चोरी छुपे सुनना

एकता भारती,
वर्ग-6, बेगूसराय

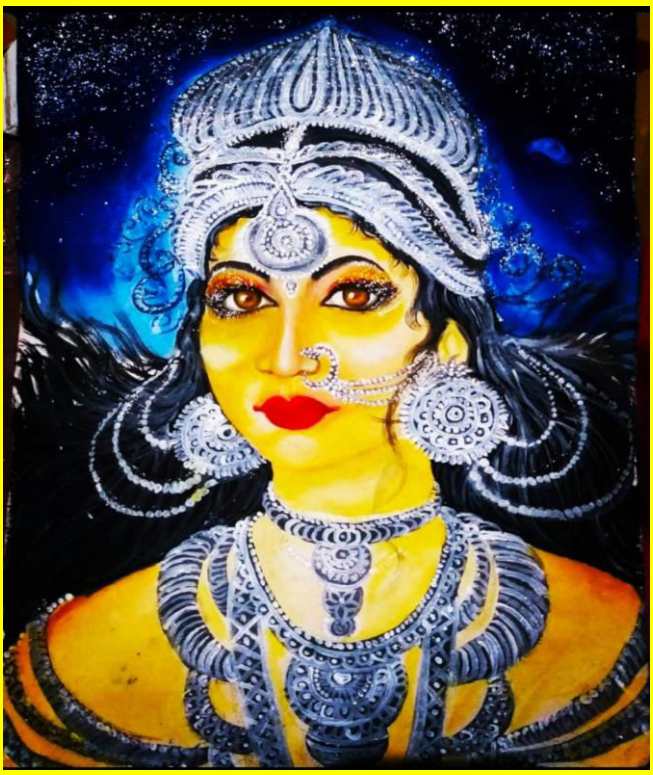

फोटो ऑफ़ द मंथ

KARAN KUMAR +2 Rasal High School, Bahadur ganj, Class- 09

विद्यालय क्रियाकलाप

M.S. KURKURI PHULWARI SHARIF PATNA.

प्रमुख दिवसें

1-December	विश्व एड्स दिवस
2-December	विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस
3-December	विकलांग लोगों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस
4-December	नौसेना दिवस
7-December	सशस्त्र सेना झंडा दिवस
10-December	मानवाधिकार दिवस
11-December	अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस
14-December	अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा दिवस
18-December	अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी दिवस
19-December	गोवा मुक्ति दिवस
20-December	अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता दिवस
23-December	किसान दिवस
25 - December	क्रिसमस दिवस
29-December	अंतर्राष्ट्रीय जैव-विविधता दिवस

नैंसी बेगम, कक्षा- 5
प्रा. वि. राजिबस्ती, किशनगंज

हिंदी ज्ञान

निबंध लेखन (भाग-3)

निबंध के प्रकार

विषय के अनुसार निबंध तीन प्रकार के होते हैं:-

1.वर्णनात्मक – संजीव या निर्जीव पदार्थ के बारे में जब हम निबंध लेखन करते हैं तब उसे वर्णनात्मक निबंध कहते हैं। यह निबंध लेखन स्थान , परिस्थिति , व्यक्ति आदि के आधार पर निबंध लिखा लिखा जाता है ।

2.विवरणात्मक – ऐतिहासिक , पौराणिक या फिर आकस्मिक घटनाओं पर जब हम निबंध लेखन लिखते हैं उसे विवरणात्मक निबंध कहते हैं । यह निबंध लेखन यात्रा , मैच , ऋतु आदि पर लिख सकते हैं।

3. विचारात्मक निबंध: गुण , दोष , या धर्म आदि पर निबंध लेखन लिखा जाता है उसे विचारात्मक निबंध कहता है। या निबंध में किसी भी प्रकार की देखी गई यह सुनी गई बातों का वर्णन नहीं किया जा सकता। इसमें केवल कल्पना और चिंतन शक्ति की गई बातें लिख सकते हैं। **क्रमशः ....**

बालमन

मुझे ToB बालमंच पढ़ना अच्छा लगता है। बहुत कुछ सीखने को मिलता है। इसका मुझे हमेशा इंतजार रहता है। बालमंच में बच्चों को स्वस्थ रहने के लिए भी कुछ-कुछ बताया जाए तो अच्छा रहेगा।

धन्यवाद

खुशबू कुमारी, वर्ग-V
मध्य विद्यालय भनरा,
चांदन (बांका)

आओ योग सीखें.....

पश्चिमोत्तानासन- संस्कृत के मूल शब्दों से बना है "पश्चिम" जिसका अर्थ है "पीछे" या पश्चिम दिशा में तीव्र खिंचाव है और आसन जिसका अर्थ है बैठने का तरीका। इसका सम्पूर्ण मतलब इस आसन में बैठ कर शरीर के बीच के हिस्से में तीव्र खिंचाव पैदा करना है ताकि शरीर की ऊर्जा को नियंत्रित किया जा सके।

विधि- जमीन पर दोनों पैरों को एकदम सीधे फैलाकर बैठ जाएं। दोनों पैरों के बीच में दूरी न हो और जितना संभव हो पैरों को सीधा रखें। इसके साथ ही गर्दन, सिर और रीढ़ की हड्डी को भी सीधा रखें। इसके बाद अपनी दोनों हथेलियों को दोनों घुटनों पर रखें।अब अपने सिर और धड़ को धीरे से आगे की ओर झुकाएं और अपने घुटनों को बिना मोड़े हाथों की उंगलियों से पैरों की उंगलियों को छूने की कोशिश करें।इसके बाद गहरी श्वास लें और धीरे से श्वास को छोड़ें। अपने सिर और माथे को दोनों घुटनों से छूने की कोशिश करें।कुछ सेकेंड के बाद वापस पहली वाली मुद्रा में आ जाएं।श्वास को पूरी तरह छोड़ दें और इसी मुद्रा में कुछ देर तक बने रहें। पुनः पूर्व की स्थिति में वापस आ जाएं।

लाभ- पश्चिमोत्तानासन करने से पूरे शरीर के साथ सिर और गर्दन की मांसपेशियों में खिंचाव उत्पन्न होता है, जिसके कारण यह आसन तनाव, चिंता, और मस्तिष्क से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में बहुत सहायक होता है। इसके अलावा यह क्रोध और चिड़चिड़ापन को भी दूर करता है और दिमाग को शांत रखता है।

TEACHERS OF BIHAR
The change makers....

वैज्ञानिक कारण

क्यों धँसी जोशीमठ में जमीन ?

उत्तराखंड के जोशीमठ में जमीन धंस रही है इसको लेकर वैज्ञानिकों ने जो खोज की है, उसके आधार पर सरकार अब आगे के कदम उठा रही है। जानकारी के मुताबिक पानी के रिसाव ने चट्टान को कमजोर किया है जिसके चलते जमीन धंस रही है। जोशीमठ शहर पुराने लैंडस्लाइड पर बसा है। यह शहर क्यों धंस रहा है, इसका कोई निश्चित कारण फिलहाल नहीं कहा जा सकता | अभी जो हो रहा है, उसकी एक वजह पानी भी हो सकता है। ये सब बातें मिलकर इस पूरे इलाके को असुरक्षित बनाते हैं। काफी लंबे समय से यहां हल्का धंसाव हो रहा है, अभी कुछ समय से इसमें तेजी बढ़ गई है।

-: प्रस्तुतकर्ता :-

त्रिपुरारि राय
मध्य विद्यालय रौटी, महिषी (सहरसा)

कविता: मैरी क्रिसमस

देखो - देखो क्रिसमस आया,
खुशियों का त्योहार लाया,
चर्च सारे सजे हुए है,
सितारों से भरे हुए है|

आओ आओ क्रिसमस मनाए,
ईसा मसीह का जन्म दिन मनाए,
बढ़े दिन के नाम से जाना जाए,
सारे साल हम इन्तज़ार करे|

सांता क्लॉज से उपहार मिले,
आओ आओ क्रिसमस मनाए,
नए साल का स्वागत करे,
इस साल को अलविदा कहे |

उस से पहले क्रिसमस मनाए,
कैंडी, ट्रफी, केक हम सब खाए,
आओ आओ क्रिसमस मनाए

नाम- अक्स नाज, कक्षा-9, किशनगंज

Kashsih Jahan, Class- 7, U.M.S. DOGACHHI

अखबारों के नजर में हम

टीचर्स ऑफ बिहार ने "श्रीनिवास रामानुजन टैलेंट सर्च टेस्ट इन मैथमेटिक्स 2022" से संबंधित विषय पर जागरुकता हेतु आयोजित किया "सवाल आपके-जवाब हमारे" एक्सक्लूसिव टॉक शो

संवाददाता |एजुकेशनल न्यूज

टीचर्स ऑफ बिहार के द्वारा आयोजित एक्सक्लूसिव टॉक शो "सवाल आपके, जवाब हमारे" में शामिल हुए शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह।

बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार ने "श्रीनिवास रामानुजन टैलेंट सर्च टेस्ट इन मैथमेटिक्स 2022" से संबंधित विषय पर जागरूकता हेतु "सवाल आपके-जवाब हमारे" एक्सक्लूसिव टॉक शो का आयोजन ऑनलाइन फेसबुक लाइव के माध्यम से आयोजित किया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में दीपक कुमार सिंह, भा.प्र.से. अपर मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग, प्रो. (डॉ.) के.सी. सिन्हा, कुलपति, नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी, डॉ. अनंत कुमार, प्रोजेक्ट निदेशक, बिहार कौंसिल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी, पटना, डॉ. विजय कुमार, संयोजक-सह-कार्यकारी संयुक्त सचिव, बिहार मैथमेटिकल सोसाइटी शामिल हुए।

ऑनलाइन टॉक शो "सवाल आपके जवाब हमारे" को संबोधित करते हुए शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने कहा कि बिहार के बच्चों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत है इसे विभिन्न अवसरों पर दिखाने की। उन्होंने कहा कि पढ़ाई का उद्देश्य केवल परीक्षा उत्तीर्ण करना ही नहीं होता है। केवल परीक्षा में आने वाले प्रश्नों को हल कर लेने से ही हम पूर्णरूपेण योग्य नहीं बन सकते हैं। पठित विषय वस्तु का पूर्ण ज्ञान भी होना अति आवश्यक है।

नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी, के कुलपति प्रो. (डॉ.) के.सी. सिन्हा कहा कि श्रीनिवास रामानुजन टैलेंट सर्च टेस्ट इन मैथमेटिक्स परीक्षा 2022 में कक्षा 6 से 12 तक के बच्चे भाग ले सकते हैं। यह प्रतियोगिता विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग बिहार सरकार द्वारा आयोजित की जा रही है। यह परीक्षा राज्य के सभी 38 जिलों के राजकीय अभियांत्रिकी तथा पॉलिटेक्निक संस्थान में आयोजित की जाएगी। इसमें आवेदन करने वाले इच्छुक अभ्यर्थी 15 नवंबर से आवेदन कर रहे हैं। आवेदन करने के लिए अंतिम तिथि 3 दिसंबर निर्धारित की गई है। इस अवधि के बाद कोई अतिरिक्त समय विभाग द्वारा नहीं दी जाएगी।

बिहार कौंसिल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी, पटना, प्रोजेक्ट निदेशक, डॉ. अनंत कुमार ने कहा कि इस परीक्षा में 100 अंक के 25 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इसके लिए अभ्यर्थियों को एक घंटा का समय दिया जाएगा। प्रत्येक गलत उत्तर के लिए एक चौथाई अंकों की कटौती की जाएगी। इतना ही नहीं एक समान अंक लाने वाले प्रतिभागियों के लिए उनके द्वारा लिए गए समय को पैमाना बनाया जाएगा। संबंधित अभ्यर्थी 8 दिसंबर के बाद बीसीएसटी के वेबसाइट से अपना प्रवेश पत्र प्राप्त कर सकेंगे।

बिहार मैथमेटिकल सोसाइटी के संयोजक-सह-कार्यकारी संयुक्त सचिव, डॉ. विजय कुमार ने वर्ग 6 से 12वीं कक्षा तक के विद्यालयों के बच्चों से अनुरोध किया है कि अपने अंदर की छुपी हुई प्रतिभा को जरूर दिखाएं एवं इस परीक्षा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर अपनी प्रतिभा को राज्य स्तर पर जरूर दिखाएं।

एक्सक्लूसिव टॉक शो "सवाल आपके, जवाब हमारे" में शामिल सभी अतिथियों के प्रति टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार ने आभार प्रकट करते हुए कहा कि पूर्व में भी बिहार के बच्चों एवं शिक्षकों के हित में इस तरह के कई कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं और आगे भी बिहार के शिक्षा एवं शिक्षक हित में टीचर्स ऑफ बिहार के द्वारा इस तरह के कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

टॉक शो को टीम के सदस्य नम्रता मिश्रा एवं विनोद कुमार उपाध्याय ने मॉडरेट किया।

उक्त जानकारी टीम के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार ने दी।

टीचर्स ऑफ बिहार के द्वारा आयोजित एक्सक्लूसिव टॉक शो 'सवाल आपके, जवाब हमारे' में शामिल हुए शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह

नसीम रब्बानी
सनोवर खान

बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार ने ₹श्रीनिवास रामानुजन टैलेंट सर्च टेस्ट इन मैथमेटिक्स 2022₹ से संबंधित विषय पर जागरूकता हेतु ₹सवाल आपके-जवाब हमारे₹ एक्सक्लूसिव टॉक शो का आयोजन ऑनलाइन फेसबुक लाइव के माध्यम से आयोजित किया।

जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में दीपक कुमार सिंह, भा.प्र.से. अपर मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग, प्रो. (डॉ.) के.सी. सिन्हा, कुलपति, नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी, डॉ. अनंत कुमार, प्रोजेक्ट निदेशक, बिहार कौंसिल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी, पटना, डॉ. विजय कुमार, संयोजक-सह-कार्यकारी संयुक्त सचिव, बिहार मैथमेटिकल सोसाइटी शामिल हुए।

ऑनलाइन टॉक शो ₹सवाल आपके जवाब हमारे₹ को संबोधित करते हुए शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने कहा कि बिहार के बच्चों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत है इसे विभिन्न अवसरों पर दिखाने की। उन्होंने कहा कि पढ़ाई का उद्देश्य केवल परीक्षा उत्तीर्ण करना ही नहीं होता है। केवल परीक्षा में आने वाले प्रश्नों को हल कर लेने से ही हम पूर्णरूपेण योग्य नहीं बन सकते हैं। पठित विषय वस्तु का पूर्ण ज्ञान भी होना अति आवश्यक है।

नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी, के कुलपति प्रो. (डॉ.) के.सी. सिन्हा कहा कि श्रीनिवास रामानुजन टैलेंट

सर्च टेस्ट इन मैथमेटिक्स परीक्षा 2022 में कक्षा 6 से 12 तक के बच्चे भाग ले सकते हैं। यह प्रतियोगिता विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग बिहार सरकार द्वारा आयोजित की जा रही है। यह परीक्षा राज्य के सभी 38 जिलों के राजकीय अभियांत्रिकी तथा पॉलिटेक्निक संस्थान में आयोजित की जाएगी। इसमें आवेदन करने वाले इच्छुक अभ्यर्थी 15 नवंबर से आवेदन कर रहे हैं। आवेदन करने के लिए अंतिम तिथि 3 दिसंबर निर्धारित की गई है। इस अवधि के बाद कोई अतिरिक्त समय विभाग द्वारा नहीं दी जाएगी।

बिहार कौंसिल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी, पटना, प्रोजेक्ट निदेशक, डॉ. अनंत कुमार ने कहा कि इस परीक्षा में 100 अंक के 25 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इसके लिए अभ्यर्थियों को एक घंटा का समय दिया जाएगा। प्रत्येक गलत उत्तर के लिए एक चौथाई अंकों की कटौती की जाएगी। इतना ही नहीं एक समान अंक लाने वाले प्रतिभागियों के लिए उनके द्वारा लिए गए समय को पैमाना बनाया जाएगा। संबंधित अभ्यर्थी 8 दिसंबर के बाद बीसीएसटी के वेबसाइट से अपना प्रवेश पत्र प्राप्त कर सकेंगे।

बिहार मैथमेटिकल सोसाइटी के संयोजक-सह-कार्यकारी संयुक्त सचिव, डॉ. विजय कुमार ने वर्ग 6 से 12वीं कक्षा तक के विद्यालयों के बच्चों से अनुरोध किया है कि अपने अंदर की छुपी हुई प्रतिभा को जरूर दिखाएं एवं इस परीक्षा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर अपनी प्रतिभा को राज्य स्तर पर जरूर दिखाएं।

एक्सक्लूसिव टॉक शो ₹सवाल आपके, जवाब हमारे₹ में शामिल सभी अतिथियों के प्रति टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार ने आभार प्रकट करते हुए कहा कि पूर्व में भी बिहार के बच्चों एवं शिक्षकों के हित में इस तरह के कई कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं और आगे भी बिहार के शिक्षा एवं शिक्षक हित में टीचर्स ऑफ बिहार के द्वारा इस तरह के कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

टॉक शो को टीम के सदस्य नम्रता मिश्रा एवं विनोद कुमार उपाध्याय ने मॉडरेट किया।

टीचर्स ऑफ बिहार ने श्रीनिवास रामानुजन टैलेंट सर्च टेस्ट इन मैथमेटिक्स 2022 से संबंधित विषय पर जागरूकता हेतु आयोजित किया सवाल आपके-जवाब हमारे एक्सक्लूसिव टॉक शो

(रवि कुमार भार्गव राज्य को आर्डिनेटर अयोध्या टाइम्स बिहार)

☒टीचर्स ऑफ बिहार के द्वारा आयोजित एक्सक्लूसिव टॉक शो सवाल आपके, जवाब हमारे में शामिल हुए शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह

बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार ने श्रीनिवास रामानुजन टैलेंट सर्च टेस्ट इन मैथमेटिक्स 2022 से संबंधित विषय पर जागरूकता हेतु सवाल आपके–जवाब हमारे एक्सक्लूसिव टॉक शो का आयोजन ऑनलाइन फेसबुक लाइव के माध्यम से आयोजित किया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में दीपक कुमार सिंह, भा.प्र.से. अपर मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग, प्रो. (डॉ.) के.सी. सिन्हा, कुलपति, नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी, डॉ. अनंत कुमार, प्रोजेक्ट निदेशक, बिहार कौंसिल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी, पटना, डॉ. विजय कुमार, संयोजक–सह–कार्यकारी संयुक्त सचिव, बिहार मैथमेटिकल सोसाइटी शामिल हुए। ऑनलाइन टॉक शो सवाल आपके जवाब हमारे को संबोधित करते हुए शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने कहा कि बिहार के बच्चों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत है इसे विभिन्न अवसरों पर दिखाने की। उन्होंने कहा कि पढ़ाई का उद्देश्य केवल परीक्षा उत्तीर्ण करना ही नहीं होता है। केवल परीक्षा में आने वाले प्रश्नों को हल कर लेने से ही हम पूर्णरूपेण योग्य नहीं बन सकते हैं। पठित विषय वस्तु का पूर्ण ज्ञान भी होना अति आवश्यक है। नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी, के कुलपति प्रो. (डॉ.) के. सी. सिन्हा कहा कि श्रीनिवास रामानुजन टैलेंट सर्च टेस्ट इन मैथमेटिक्स परीक्षा 2022 में कक्षा 6 से 12 तक के बच्चे भाग ले सकते हैं। यह प्रतियोगिता विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग बिहार सरकार द्वारा आयोजित की जा रही है। यह परीक्षा राज्य के सभी 38 जिलों के राजकीय अभियांत्रिकी तथा पॉलिटेक्निक संस्थान में आयोजित की जाएगी। इसमें आवेदन करने वाले इच्छुक अभ्यर्थी 15 नवंबर से आवेदन कर रहे हैं। आवेदन करने के लिए अंतिम तिथि 3 दिसंबर निर्धारित की गई है। इस अवधि के बाद कोई अतिरिक्त समय विभाग द्वारा नहीं दी जाएगी। बिहार कौंसिल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी, पटना,प्रोजेक्ट निदेशक, डॉ. अनंत कुमार ने कहा कि इस परीक्षा में 100 अंक के 25 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इसके लिए अभ्यर्थियों को एक घंटा का समय

दिया जाएगा। प्रत्येक गलत उत्तर के लिए एक चौथाई अंकों की कटौती की जाएगी। इतना ही नहीं एक समान अंक लाने वाले प्रतिभागियों के लिए उनके द्वारा लिए गए समय को पैमाना बनाया जाएगा। संबंधित अभ्यर्थी 8 दिसंबर के बाद बीसीएसटी के वेबसाइट से अपना प्रवेश पत्र प्राप्त कर सकेंगे। बिहार मैथमेटिकल सोसाइटी के संयोजक–सह–कार्यकारी संयुक्त सचिव, डॉ. विजय कुमार ने वर्ग 6 से 12वीं कक्षा तक के विद्यालयों के बच्चों से अनुरोध किया है कि अपने अंदर की छुपी हुई प्रतिभा को जरूर दिखाएं एवं इस परीक्षा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर अपनी प्रतिभा को राज्य स्तर पर जरूर दिखाएं। एक्सक्लूसिव टॉक शो सवाल आपके, जवाब हमारे में शामिल सभी अतिथियों के प्रति टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार ने आभार प्रकट करते हुए कहा कि पूर्व में भी बिहार के बच्चों एवं शिक्षकों के हित में इस तरह के कई कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं और आगे भी बिहार के शिक्षा एवं शिक्षक हित में टीचर्स ऑफ बिहार के द्वारा इस तरह के कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। टॉक शो को टीम के सदस्य नम्रता मिश्रा एवं विनोद कुमार उपाध्याय ने मॉडरेट किया। उक्त जानकारी टीम के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय ठाकुर ने संयुक्त रूप से दी।

Amar Besra, Class- 4, UMS DOGACHHI

Sanjana Kumari, Ums Jhitkahikahiyan, Rampur, Vaishali

कहानी बनाओ : पुरष्कृत कहानी

एक जंगल था। वहाँ बहुत हरियाली थी। उस जंगल में बहुत सारे जानवर रहते थे। वहाँ तीन दोस्त हिरण, भालू, और हाथी बहुत प्यार से रहते थे। पेड़ों के नीचे तीनों बहुत मजे से खेलते थे। टोटो कछुआ और गोल्डी मछली भी जंगल के तालाब में रहते थे। सोनी हिरण जब भी तालाब में पानी पीने जाती तो टोटो और गोल्डी के साथ खूब खेलती थी। एक दिन की बात है। कुछ इंसान आए और पेड़ों की अंधाधुंध कटाई करने लगे। धीरे-धीरे जंगल की हरियाली खत्म होने लगी। तालाब का पानी सूखने लगा। गोल्डी मछली तड़पने लगी। सोनी हिरण मदद के लिए अपने दोस्त हाथी और भालू के पास गए।

अगले दिन जब इंसान पेड़ काटने आया भालू और हाथी ने अपने झुंड के साथ इंसानों को घेर लिया और उन्हें समझाने लगा कि पेड़ काटने से बरसात नहीं होगी और सूखा पड़ जाएगा। चारों ओर हाहाकार मच जाएगा। अब इंसानों को अपनी गलती का एहसास हो चुका था। अब इंसानों ने कसम खाई कि पेड़ नहीं कटेगा बल्कि ज्यादा-ज्यादा पेड़ लगाएंगे।

संस्कृति चौधरी, कक्षा-3
द स्कॉलर, पश्चिम बंगाल

SHIVANGI GUPTA, CLASS-7, THAKURGANJ, KISHANGANJ

सुहाना प्रवीण कक्षा 2 मध्य विद्यालय रुइधासा किशनगंज

Ravi Kishan class 5 P S KANYA LAXMIPUR ROSERA samastipur Bihar

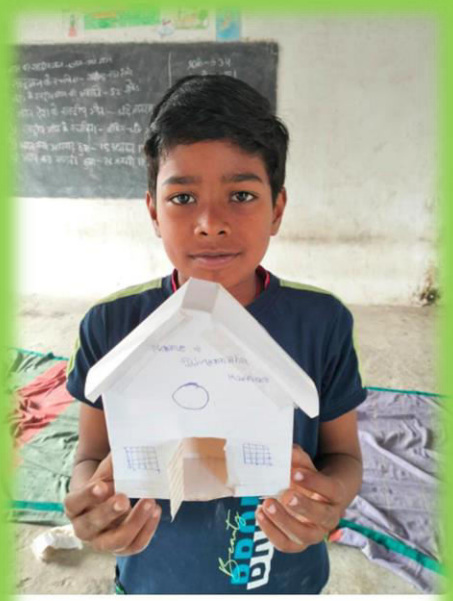

Divyanshu Kumar class 4 p S KANYA LAXMIPUR ROSERA samastipur Bihar

केशव झा,वर्ग -4, म. वि. पोखराम, उ. बिरौल, दरभंगा

Md Nishar Alam, Oriental Public School Kishanganj, Class- 4.

Firdaus Naj, Anugrah Narayan Singh Uchh vidhyalaya,Aurangabad

Name- Saika Naz, Class -2, Thakurganj

Shraddha Jha,High school Ramai Araria

Sadhna Kri, 7th, UMS Jhitkahiyan, Rampur, Dist - Vaishali

Lakhi Hembram, Class- 2, UMS DOGACHHI

Lakhi Hembram, Class- 2, UMS DOGACHHI

कविता: क्रिसमस

जब आएगा यार क्रिसमस,
हम बाटेंगे प्यार क्रिसमस,
रंग रंगीले गुब्बारे है,
गिफ्ट देखो कितने सारे है,

सजे है घर द्वार चर्च आज,
आया देखो सांता क्लॉज,
खूब मिलेंगे अब उपहार,
खूब बटेंगे सब मे प्यार

चमक उठेगा संसार क्रिसमस,
जब आएगा यार क्रिसमस।

अन्नू कुमारी, प्रा.वि.राजिबस्ती, किशनगंज

Kashsih jahan, Class- 7, U.M.S. DOGACHHI

Noor Fatima, Class- 7, U.M.S. DOGACHHI

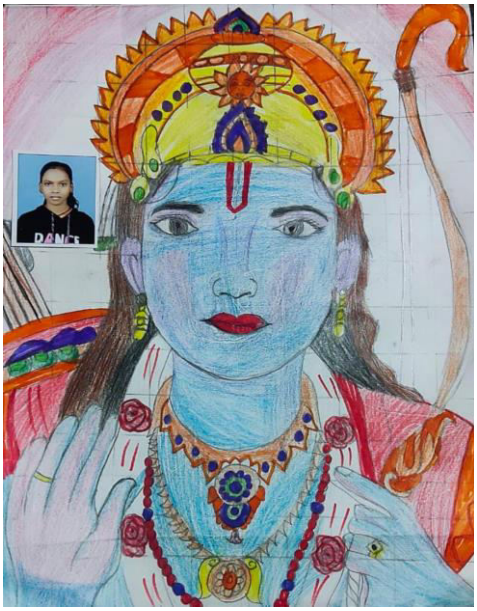

Suhani Suman Class-6, School- M. S Siropatti District- Samastipur

Art by Shivani Kumari, Class 8, Girls'Middle School Rosera

पायल कुमारी, वर्ग - द्वितीय, उत्क्रमित मध्य विद्यालय नारायणपुर, खोदावंदपुर (बेगूसराय)

अमीना खातून (8), रा. क. म. वि. कुचायकोट, गोपालगंज

बाल कथा / मूषकराज और गजराज : निधि चौधरी

चंचल वन में मूषकों की एक टोली रहती थी और उनके सरदार का नाम था मूषक राज। मूषकराज हमेसा ख्याल रखते कि दूसरे चूहों को कभी किसी चीज़ की कमी न हो। और वहीं हाथियों का भी एक झुंड रहता था जिसके सरदार थे गजराज। और गजराज भी हमेसा प्रयास करतें कि कभी उनके झुंड के अन्य हाथियों को कोई परेशानी न हो। वे सब मिल जुल कर रहते थे लेकिन उनमें से एक थी एली हथिनी जो बहुत ही घमंडी थी और उसे अपने सिवा सारी दुनिया तुच्छ लगती थी। वह आए दिन हर किसी से झगड़ती रहती थी।

एक दिन गजराज अपने झुंड के साथ दूसरे जंगल की तरफ दावत में जा रहे थे, कि आगे चूहों की टोली आ गई। अब रास्ता एक ही था अगर चूहे साथ जाते तो कुचल दिए जाते और हाथियों को ठहरना ग़वारा न था। तभी मूषकराज ने कहा - हे गजराज! तनिक ठहरिए! आप लोग अगर इसी तरह आगे बढ़ते रहे तो हम सब मारे जाएंगे। तभी हाथियों के झुंड से एली हथिनी ने कहा - ए चूहे के बच्चे तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई हमे रोकने की। हमे पास के जंगल मे दावत के लिए जाना है चल हट सामने से हमे देर हो रही है। मूषकराज फिर समझाते है कृपया आप हमारी बात मानिए तनिक देर ठहरिए हमारे झुंड को निकल जाने दीजिए फिर आप आराम से जा सकते हैं वरना हम कुचल कर मारे जाएंगे। एली हथिनी गुस्से में कहती है मरते है तो मरो हम अदने से चूहे की बात पर अपना समय क्यों व्यर्थ करें।

तब तक गजराज एली हथिनी की बात को काटते हुए कहते है - एली हमे अपने से छोटे जीवों के साथ हमेसा दया का भाव रखना चाहिए। और हमेसा यह कोशिश करनी चाहिए कि हमारे किसी भी कार्य से अन्य किसी प्राणी को कोई तकलीफ ना हो। और फिर गजराज मूषकराज से कहते हैं - हे मूषकराज मेरे पास एक तरकीब हैं। क्योंकि हम सब को एक ही स्थान पर जाना है। इसलिए आप अपनी टोली को कहिए कि हम हाथियों के पीठ पर चढ़ जाए। इस तरह साथ चलने से हमारा सफर और भी सुहाना हो जाएगा। और आपको भी कोई परेशानी नहीं होगी। गजराज की बात सुन कर मूषकराज उन्हें धन्यवाद देतें हैं। फिर सभी चूहे हाथियों के पीठ पर बैठ जाते है और हँसते गाते अपने सफर पर चल पड़ते हैं।

*

Afifa, Class- 7, U.M.S. DOGACHHI

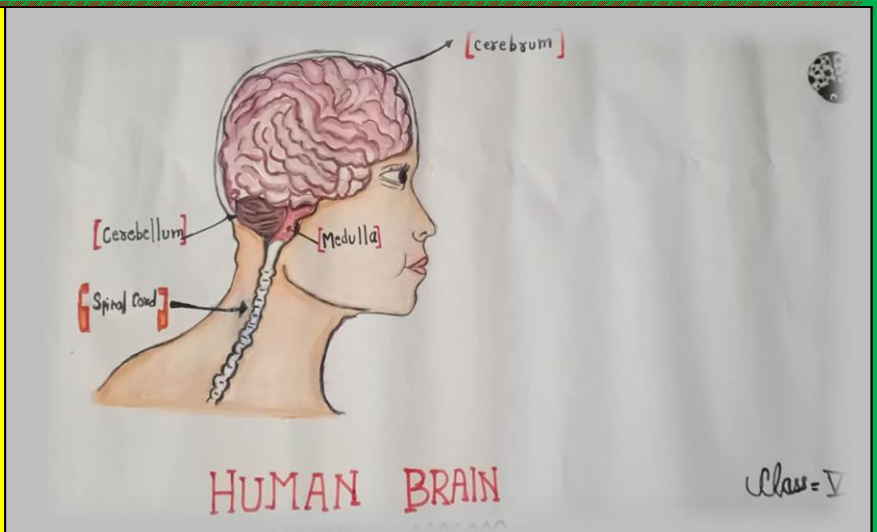

खुशी राज, कक्षा- 5, प्राथमिक विद्यालय उचित ग्राम, पिपरा, जिला- पूर्णिया (बिहार)

प्रिया कुमारी(8)

Rani Kri, 8th, UMS Jhitkahiyan Rampur, Dis- Vaishali

Muskan Banu, Class- 7

आपकी बात आपकी जुबानी

बच्चों आपको TOB बालमंच का ये अंक कैसा लगा? हमें अवश्य बताएं | आप हमें नीचे दी गए किसी भी माध्यम ईमेल या व्हाट्सअप द्वारा सूचित कर सकते हैं |

email- balmanch.teachersofbihar@gmail.com

Whatsapp: 8877318781 (Tripurari Roy)

धन्यवाद

उभरते सितारे

जिनको भी प्रशस्ति-पत्र मिल रहा है उनका लिस्ट इस लिंक पर उपलब्ध है:- https://www.teachersofbihar.org/award

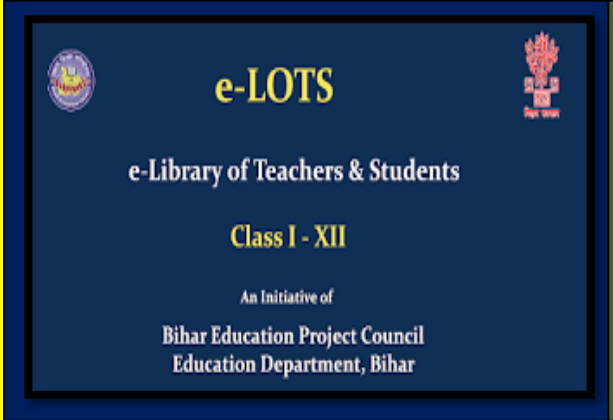

THANKS FOR A VIEW